आरसीबी ने गुजरात को दिया विशाल लक्ष्य

पाटीदार की 93 रन की धमाकेदार पारी से गुजरात को मिला 255 रनों का टारगेट

धर्मशाला, 26 मई. आईपीएल 2026 के क्वालिफायर-1 मुकाबले में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने गुजरात टाइटंस के सामने जीत के लिए 255 रनों का विशाल लक्ष्य रख दिया है. धर्मशाला में खेले जा रहे इस हाई-वोल्टेज मुकाबले में आरसीबी की बल्लेबाजी शुरुआत से ही आक्रामक रही और टीम ने पूरे मैच में रनगति को कभी धीमा नहीं होने दिया. कप्तान रजत पाटीदार ने शानदार नेतृत्व करते हुए 93 रन की नाबाद पारी खेली और टीम को एक मजबूत स्कोर तक पहुंचाया.

टॉस के बाद आरसीबी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए तेज शुरुआत की. विराट कोहली और युवा बल्लेबाज देवदत्त पडिक्कल ने पावरप्ले में ही गुजरात के गेंदबाजों पर दबाव बना दिया. दोनों ने शुरुआती ओवरों में चौकों और छक्कों की बरसात कर दी. पावरप्ले खत्म होने तक आरसीबी का स्कोर एक विकेट पर 76 रन तक पहुंच चुका था, जिससे टीम को एक मजबूत मंच मिल गया. कोहली ने शानदार लय में बल्लेबाजी करते हुए 25 गेंदों पर 43 रन बनाए, जिसमें 5 चौके और एक छक्का शामिल था. वह अपने अर्धशतक से मात्र कुछ रन दूर थे, लेकिन जेसन होल्डर की गेंद पर बोल्ड होकर पवेलियन लौट गए.

उनके आउट होने के बावजूद आरसीबी की रनगति पर ज्यादा असर नहीं पड़ा क्योंकि पडिक्कल ने भी आक्रामक अंदाज में बल्लेबाजी जारी रखी और 19 गेंदों पर 30 रन बनाकर आउट हुए. इसके बाद कप्तान रजत पाटीदार और क्रुणाल पांड्या ने पारी को संभाला.

दोनों बल्लेबाजों ने मिलकर चौथे विकेट के लिए अहम साझेदारी की और टीम को संकट से बाहर निकाला. क्रुणाल पांड्या ने 28 गेंदों पर 43 रन की उपयोगी पारी खेली, जिसमें 5 चौके और 2 छक्के शामिल थे. हालांकि वह अपने अर्धशतक से चूक गए, लेकिन उनकी पारी ने आरसीबी को बड़े स्कोर की दिशा में आगे बढ़ाया.

मिडिल ओवरों में आरसीबी की बल्लेबाजी पूरी तरह हावी रही. पाटीदार ने बेहद तेज स्ट्राइक रेट से रन बनाए और केवल 21 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा कर लिया. उन्होंने अंतिम ओवरों में गेंदबाजों को खुलकर खेला और टीम को 200 के पार पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई. उनकी पारी में स्ट्रोकप्ले, टाइमिंग और आक्रामकता का बेहतरीन मिश्रण देखने को मिला.

रनगति रोकना हुआ मुश्किल

गुजरात टाइटंस की ओर से प्रसिद्ध कृष्णा और कगिसो रबाडा ने कुछ महत्वपूर्ण विकेट जरूर लिए, लेकिन आरसीबी की रनगति को रोकना उनके लिए मुश्किल साबित हुआ. टिम डेविड का विकेट भी गिरा, लेकिन तब तक स्कोर काफी बड़ा हो चुका था. आरसीबी ने अंत में निर्धारित 20 ओवरों में 255 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया. यह स्कोर प्लेऑफ जैसे दबाव वाले मुकाबले में बेहद चुनौतीपूर्ण माना जा रहा है. अब सभी की नजरें गुजरात टाइटंस की बल्लेबाजी पर होंगी, जिन्हें फाइनल में जगह बनाने के लिए एक बड़ा लक्ष्य हासिल करना होगा. मैच पूरी तरह रोमांचक मोड़ पर पहुंच चुका है और दूसरी पारी में मुकाबला और भी दिलचस्प होने की उम्मीद है. आरसीबी का यह स्कोर उनके बल्लेबाजी क्रम की गहराई और आक्रामक मानसिकता को साफ दर्शाता है.

इंग्लैंड ने जीती टी 20 सीरीज़

होव, 26 मई इंग्लैंड ने होव में खेले गए आखिरी टी 20 में न्यूज़ीलैंड को बुरी तरह हराकर, अपने घर में होने वाले वर्ल्ड कप से पहले शानदार अंदाज में सीरीज़ जीत ली. इस आखिरी मैच से पहले सीरीज़ 1-1 से बराबर थी; मेज़बान टीम ने न्यूज़ीलैंड को सिर्फ़ 80 रन पर ऑल आउट कर दिया और फिर आसानी से लक्ष्य हासिल कर लिया.

भले ही इसाबेला गेज़ ने कुछ चौके और एक छक्का लगाया, लेकिन वर्ल्ड चैंपियन टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही. सूज़ी बेट्स ने 11 गेंदों में सिर्फ़ 3 रन बनाए, जिसके बाद चार्ली डीन ने गेज़ को बोल्ड कर दिया. हालात जल्द ही और भी बदतर हो गए, जब मध्यक्रम की तिकड़ी – अमेलिया केर, सोफ़ी डिवाइन और ब्रुक हॉलिडे – मिलकर सिर्फ़ 7 रन ही बना पाईं. इसके बाद सोफ़ी एक्लेस्टोन ने भी अपना कमाल दिखाया और इज़्ज़ी शार्प के डिफेंस को तोड़ते हुए न्यूज़ीलैंड को 33/6 के स्कोर पर मुश्किल में डाल दिया. मेहमान टीम 50 रन का आंकड़ा पार करने के लिए जेस केर की 20 रन की संघर्षपूर्ण पारी पर निर्भर थी, लेकिन आखिर में वे अंतिम ओवर में ऑल आउट हो गईं. डीन और डेनिएल गिब्सन ने तीन-तीन विकेट लिए, जबकि लिन्ज़ी स्मिथ ने दो विकेट चटकाए.

तीसरे ओवर में एलिस कैप्सी का विकेट गंवाने के बाद, इंग्लैंड के लिए जीत की राह उतनी आसान नहीं रही. माइया बाउचर ने धैर्य से काम लिया और लक्ष्य का पीछा करते हुए 29 गेंदों में 19 रन बनाकर नाबाद रहीं. सोफ़िया डंकले और हीथर नाइट ने भी टीम की जीत में योगदान दिया, और आखिर में मेज़बान टीम ने 37 गेंदें शेष रहते हुए जीत हासिल कर ली. संक्षिप्त स्कोर : न्यूज़ीलैंड 19.1 ओवर में 80 रन (जेस केर 20; शार्लेट डीन 3-13, डेनिएल गिब्सन 3-14) इंग्लैंड से 7 विकेट से हार गई.

एक नजर में

भारत ने मालदीव को 11-0 से रौंदा

मडगांव (गोवा). भारतीय सीनियर महिला टीम ने यहां पीजेएन स्टेडियम में ग्रुप बी में मालदीव के खिलाफ 11-0 की शानदार जीत के साथ अपने 2026 सैफ महिला चैंपियनशिप अभियान की जोरदार शुरुआत की. गोवा में अपना पहला अंतरराष्ट्रीय मैच खेलते हुए, 'ब्लू टाइग्रेस' ने सोमवार रात शुरू से अंत तक शानदार प्रदर्शन करते हुए दोनों टीमों के बीच के अंतर को साफ कर दिया - महिला रैंकिंग में भारत 69वें स्थान पर है, जबकि मालदीव 167वें स्थान पर. इससे पहले दिन में, नेपाल ने ग्रुप् के मुकाबले में भूटान को 1-0 से हराकर टूर्नामेंट की शुरुआत की. अवेका सिंह ने चार गोल करके शानदार प्रदर्शन किया, जबकि प्रियंका देवी नोरेम और करिश्मा शिरवोइकर ने दो-दो गोल किए. प्यारी खाखा, ग्रेस डांगमेई और संगीता बसफोरे ने भी गोल किए, जिसके साथ भारत ने 2014 में अफगानिस्तान के खिलाफ 12-0 की जीत के बाद से सैफ महिला चैंपियनशिप में अपनी सबसे बड़ी जीत दर्ज की. इस परिणाम के साथ भारत अपने शुरुआती मैच से तीन अंकों के साथ ग्रुप बी में शीर्ष पर पहुंच गया है. 'ब्लू टाइग्रेस' का अगला मुकाबला 31 मई को इसी स्टेडियम में बांग्लादेश से होगा.

अक्षय और विक्की ने फ्रीस्टाइल में जीता गोल्ड

नई दिल्ली. भारत के फ्रीस्टाइल पहलवानों अक्षय टी. धेरे और विक्की ने सोमवार को वियतनाम के दा नांग में अंडर 23 एशियाई चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन करते हुए गोल्ड मेडल जीत लिया. अक्षय ने 57 किग्रा भार वर्ग में कज़ाकिस्तान के येलेमान अमंगेल्दी को 4-2 से हराकर खिताब अपने नाम किया. इसके तुरंत बाद, विक्की ने 97 किग्रा वर्ग में उज़्बेकिस्तान के शेरज़ोद पोयोनोव को 7-5 से हराकर भारतीय खेमे की खुशी दोगुनी कर दी और पोडियम पर शीर्ष स्थान हासिल किया. 53 किग्रा के फाइनल में, मुस्कान ने वियतनाम की थी माई लिन्ह गुयेन के खिलाफ मुकाबले पर पूरा नियंत्रण रखा और 6-2 से आसान जीत दर्ज कर खिताब जीता. 57 किग्रा वर्ग में तपस्या का प्रदर्शन और भी शानदार रहा; उन्होंने कज़ाकिस्तान की अल्टीन शागायेवा पर 4-0 की बढ़त बनाते हुए 'बाय फॉल' (पिन करके) जीत हासिल की और गोल्ड मेडल अपने नाम किया. भारतीय कुश्ती महासंघ के अध्यक्ष संजय सिंह ने कहा, 'महाद्वीपीय स्तर पर दो फ्रीस्टाइल गोल्ड जीतना एक शानदार उपलब्धि है और यह अक्षय और विक्की की बेहतरीन रणनीति का सबूत है.

खिताब बचाने का दबाव सोच बदल देता है : जितेश

नागपुर. आगामी विदर्भ प्रीमियर लीग (वीपीएल) टी20 सीजन से पहले गत विजेता नीको मास्टर ब्लास्टर के कप्तान जितेश शर्मा ने खिताब बचाने के दबाव, लगातार सफलता के लिए जरूरी मानसिकता और इस सीजन खिलाड़ियों से अपनी उम्मीदों को लेकर खुलकर बात की. पिछले सीजन टीम को चैंपियन बनाने वाले जितेश का मानना है कि किसी खिताब का बचाव करना, उसे जीतने की कोशिश करने से बिल्कुल अलग मानसिक चुनौती होती है. उन्होंने कहा, ' बात अगर टाइटल डिफेंड करने की हो तो अतिरिक्त दबाव आ ही जाता है .मुझे लगता है कि जब आप किसी चीज का पीछा करते हैं, तो हमेशा सोचते हैं कि अगला कदम क्या होना चाहिए. इससे आपकी मानसिकता बदल जाती है. ' उन्होंने आगे कहा, 'जब आप जीतने या ट्रॉफी हासिल करने के लिए खेलते हैं, तो हमेशा मैच जीतने की योजना बनाते हैं, लेकिन जब आप खिताब बचाने के बारे में सोचते हैं, तो दिमाग में यह आता है कि हर हाल में जीतना ही जीतना है और इससे आपकी मानसिकता पर फर्क जरूर पड़ता है.' पिछले सीजन की सफलता दोहराने के सवाल पर जितेश ने कहा, 'मुझे लगता है कि वही साधारण और बुनियादी चीजें बार-बार करते रहना जरूरी है' उन्होंने लगातार सफलता के पीछे की प्रक्रिया समझाते हुए कहा कि, 'कप्तान के तौर पर मैंने हमेशा अपनी टीम में आजादी, निडरता और भरोसे के माहौल पर जोर दिया.

पहली विश्व योगासन में हिस्सा लेगें भारत के 114 सदस्यीय दल

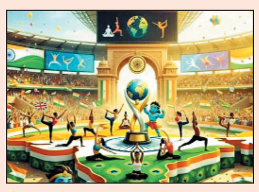

नयी दिल्ली. भारतीय खेल और वैश्विक वेलनेस के लिए एक ऐतिहासिक कदम के रूप में, विश्व योगासन चैम्पियनशिप 2026 के पहले संस्करण योगासन को समर्पित दुनिया की पहली वैश्विक प्रतियोगिता का आज खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने महासंघ के पदाधिकारियों की उपस्थिति में आधिकारिक अनावरण किया जिसमें भारत का 114 सदस्यीय दल हिस्सा लेगा. विश्व योगासन चैम्पियनशिप का आयोजन 4 से 8 जून 2026 तक अहमदाबाद के एका एरिना में किया जाएगा. इस चैम्पियनशिप में युगांडा, जाम्बिया, श्रीलंका, नेपाल, केन्या, जापान, ओमान, मॉरीशस और नीदरलैंड्स सहित 71 देशों के 529 योगासन खिलाड़ी भाग लेंगे. यह आयोजन योगासन को वैश्विक स्तर पर मान्यता प्राप्त खेल के रूप में स्थापित करने और ओलंपिक मान्यता की दिशा में भारत की पहल का हिस्सा है. आधिकारिक अनावरण समारोह के दौरान चैम्पियनशिप के लोगो, ट्रॉफी, आधिकारिक जर्सी और 'वीर' नामक शेर मैस्कॉट को भी लॉन्च किया गया. यह सभी योगासन के आधुनिक वैश्विक खेल के रूप में उभरने का प्रतीक हैं.

महिला सिंगल्स : सिंधु ने कुसुमा को हराया

सात्विक-सिराज की जोड़ी ने सिंगापोर ओपन में जीत दर्ज की

सिंगापुर, 26 मई. पीवी सिंधु और भारतीय पुरुष डबल्स की स्टार जोड़ी सात्विकसिराज रांकिरेड्डीरेडडी चिराग शेट्टी ने मंगलवार को शानदार प्रदर्शन करते हुए सिंगापोर ओपन के अगले दौर में जगह बना ली.

महिला सिंगल्स में सिंधु ने इंडोनेशिया की पुत्री कुसुमा वर्दानी को सीधे गेम में हराया, जबकि पुरुष डबल्स में भारतीय जोड़ी ने रोमांचक मुकाबले में वापसी करते हुए जीत दर्ज की. हालांकि पुरुष सिंगल्स में आयुष शेट्टी को हार का सामना करना पड़ा. सिंगापुर इंडोर स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में सिंधु ने शुरुआत से ही आक्रामक खेल दिखाया. पहले गेम में उन्होंने चार अंकों की बढ़त बना ली थी, लेकिन इंडोनेशियाई खिलाड़ी ने वापसी करते हुए स्कोर 16-16 कर दिया. इसके बाद सिंधु ने लगातार पांच अंक जीतकर पहला गेम 21-17 से अपने नाम कर लिया. दूसरे गेम में दोनों खिलाड़ियों के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिला. हर अंक के लिए लंबी रैलियां चलीं, लेकिन अहम मौकों पर सिंधु ने अनुभव का फायदा उठाया और 21-18 से गेम जीतते हुए मुकाबला अपने नाम कर लिया.

इस जीत के साथ उन्होंने वर्दानी के खिलाफ अपना रिकॉर्ड 3-3 से बराबर कर लिया. अब अगले दौर में उनका मुकाबला जापान की रिको गुंजी से होगा. पुरुष डबल्स में सात्विक-चिराग की जोड़ी ने ऑस्ट्रेलिया के चेन झी यी और प्रेस्ली स्मिथ के खिलाफ संघर्षपूर्ण जीत हासिल की. पहला गेम बेहद रोमांचक रहा, जिसमें भारतीय जोड़ी ने सात गेम पॉइंट बचाए, लेकिन 26-28 से गेम गंवा बैठी. इसके बाद भारतीय जोड़ी ने जोरदार वापसी करते हुए दूसरा गेम 21-15 से जीता और मुकाबले को निर्णायक गेम तक पहुंचाया. तीसरे गेम में सात्विक-चिराग पूरी तरह हावी नजर आए.

रायबाकिना रौलां गैरो के दूसरे दौर में

पेरिस, 26 मई चार बार की फ्रेंच ओपन चैंपियन इगा स्वियातेक और ऑस्ट्रेलियन ओपन विजेता एलेना रायबाकिना सोमवार को रौलां गैरो में दूसरे दौर में पहुंच गईं, जबकि अनुभवी खिलाड़ी स्टैन वावरिंका और गइल मोंफिल्स ने संन्यास की घोषणा कर दी.

तीसरी वरीयता प्राप्त स्वियातेक, जो राफेल नडाल के लंबे समय के मेंटर फ्रांसिस रोइग के साथ कोचिंग साझेदारी शुरू करने के बाद अपना पहला ग्रैंड स्लैम खेल रही थीं, ने ऑस्ट्रेलियाई किशोरी एमर्सन जोन्स को सिर्फ एक घंटे में 6-1, 6-2 से आसानी से हरा दिया. वहीं, दूसरी वरीयता प्राप्त रायबाकिना ने भी शानदार प्रदर्शन करते हुए स्लोवेनिया की वेरोनिका एरजावेक को 6-2, 6-2 से मात दी. महिलाओं के अन्य मैचों में, हाल ही में रोम चैंपियन बनीं एलिना स्वितोलिना ने संघर्ष करते हुए हंगरी की अन्ना बोंडार को हराया, जबकि फ्रेंच ओपन की पूर्व फाइनलिस्ट जैस्मीन पाओलिनी, कैरोलिना मुचोवा और जेलेना ओस्तापेंको भी अगले दौर में पहुंच गईं. पुरुषों के ड्रॉ में, दो बार के फ्रेंच ओपन उपविजेता कैस्पर रूड, बेन शेल्टन, एलेक्स डी मिनौर और आंद्रेई रुब्लेव सभी दूसरे दौर में पहुंच गए.

सरकार ने राष्ट्रीय खेल प्रशासन बोर्ड नियम

नयी दिल्ली. केंद्र सरकार ने राष्ट्रीय खेल प्रशासन अधिनियम, 2025 के प्रावधानों के अंतर्गत राष्ट्रीय खेल प्रशासन (राष्ट्रीय खेल बोर्ड) नियम, 2026 और राष्ट्रीय खेल प्रशासन (राष्ट्रीय खेल न्यायाधिकरण) नियम, 2026 को अधिसूचित किया है. राष्ट्रीय खेल प्रशासन (राष्ट्रीय खेल बोर्ड) नियम, 2026 में बोर्ड की संरचना, अध्यक्ष और सदस्यों के कार्यकाल, वेतन, भत्ते और सेवा की अन्य शर्तों के साथ-साथ बोर्ड की शक्तियों और कार्यों का प्रावधान है. राष्ट्रीय खेल बोर्ड में एक अध्यक्ष और दो सदस्य होंगे जिनकी नियुक्ति केंद्र सरकार द्वारा राष्ट्रीय खेल बोर्ड (खोज-सह-चयन समिति) नियम, 2026 के अंतर्गत गठित खोज-सह-चयन समिति द्वारा अनुशंसित नामों के पैनल से की जाएगी.

भारतीय ऑलराउंडर विजय शंकर एलपीएल में हुए शामिल

कोलंबो, 26 मई लंका प्रीमियर लीग (एलपीएल) ने 1 जून को होने वाले सीजन 6 के प्लेयर ड्राफ्ट से पहले, अपने मुख्य खिलाड़ियों की एक सितारों से सजी सूची जारी की है. इस सूची में सबसे प्रमुख नाम भारत के ऑलराउंडर विजय शंकर का है, जो आने वाले सीजन के लिए इस टूर्नामेंट में शामिल होने जा रहे हैं.

इंग्लैंड के मोईन अली और बंगलादेश के स्टार खिलाड़ी शाकिब अल हसन भी उन बड़े नामों में शामिल हैं जिन्हें फ्रेंचाइजी ने रिटेन किया है. फ्रेंचाइजी अब लीग के छठे संस्करण के लिए अपनी मुख्य टीमों को अंतिम रूप दे रही हैं; यह लीग 17 जुलाई से 8 अगस्त तक पूरे श्रीलंका में खेली जाएगी. शंकर, जिन्होंने 2019 के वैश्विक क्रिकेट टूर्नामेंट में भारत का प्रतिनिधित्व किया था और टूर्नामेंट में अपनी पहली ही गेंद पर विकेट लिया था, रॉयल्स टीम में अपना व्यापक अंतरराष्ट्रीय और घरेलू अनुभव लेकर आए हैं. तमिलनाडु के इस ऑलराउंडर ने कैंडी की मजबूत टीम को जॉइन किया है, जिसमें इंग्लैंड के मोईन अली के साथ-साथ श्रीलंका के दिग्गज खिलाड़ी एंजेलो मैथ्यूज और वानिंदु हसरंगा भी शामिल हैं.

एलिमिनेटर मुकाबला एक-दूसरे को एलिमिनेट करने उतरेंगे राजस्थान और हैदराबाद

राजस्थान और हैदराबाद की हाई-वोल्टेज टक्कर

मुल्लांपुर, 26 मई सनराइजर्स हैदराबाद और राजस्थान रॉयल्स के बीच आईपीएल 2026 का एलिमिनेटर मुकाबला एक हाई-वोल्टेज टक्कर बन गया है, जिसमें दो बिल्कुल अलग ताकतें आमने-सामने हैं: एक तरफ निडर युवा जोश और दूसरी तरफ बेमिसाल ताकत.

इस मुकाबले के केंद्र में एक ऐसी कहानी है जिसने पूरे क्रिकेट जगत का ध्यान अपनी ओर खींचा है-एसआरएच के खिलाफ वैभव सूर्यवंशी की तूफानी बल्लेबाजी, और हैदराबाद के टॉप ऑर्डर के साथ जोफ्रा आर्चर की तेज गेंदबाजी की टक्कर.

मुंबई इंडियंस पर शानदार जीत हासिल करके प्लेऑफ में जगह बनाने के बाद, राजस्थान की टीम पूरे जोश के साथ इस नॉकआउट मैच में उतर रही है. उनका यह सीजन उतार-चढ़ाव भरा रहा है, लेकिन लीग-स्टेज के आखिरी दौर में उनकी शानदार वापसी ने टीम में फिर से जीत का भरोसा जगा दिया है.

इस वापसी का काफी श्रेय सूर्यवंशी की निडर बल्लेबाजी को जाता है, जो इस टूर्नामेंट के सबसे रोमांचक युवा खिलाड़ियों में से एक बनकर उभरे हैं. सूर्यवंशी के इस सीजन में हैदराबाद के खिलाफ खेली गई एक शानदार शतकीय पारी भी शामिल है; यह एक ऐसी पारी थी जिसने अहम मौकों पर एसआरएच की गेंदबाजी की कमजोरियों को उजागर कर दिया था. अब, एलिमिनेटर मुकाबले के रूप में एक बार फिर दोनों टीमें आमने-सामने होंगी.

इस बार दांव पर बहुत कुछ लगा है, और एसआरएच की टीम यह पक्का करना चाहेगी कि पिछली बार जैसी हार या पतन दोबारा न हो. इस युवा बल्लेबाज की तेज और स्पिन, दोनों तरह की गेंदों का सामना करने की काबिलियत ही उसे राजस्थान की आगे बढ़ने की उम्मीदों का सबसे अहम खिलाड़ी बनाती है.

कहानी के दूसरी तरफ आर्चर खड़े हैं-राजस्थान की गेंदबाजी के मुख्य हथियार और इस टूर्नामेंट के पावरप्ले में सबसे खतरनाक गेंदबाजों में से एक. एसआरएच की तूफानी सलामी जोड़ी-अभिषेक शर्मा और ट्रैविस हेड-को रोकने में आर्चर की भूमिका बेहद अहम होगी; ये दोनों इस सीजन की सबसे खतरनाक साझेदारियों में से एक रहे हैं.

एसआरएच की बल्लेबाजी का मूल मंत्र ही शुरुआत से ही आक्रामक खेलना है, और आर्चर की सटीक गेंदबाजी और रफ्तार ही यह तय करेगी कि मैच पर उनका दबदबा रहेगा या वे दबाव में आकर बिखर जाएंगे. हैदराबाद की टीम लीग-स्टेज में शानदार प्रदर्शन करने के बाद इस मैच में उतर रही है. उनकी बल्लेबाजी लाइनअप बेहद मजबूत है, जिसमें उनके आक्रामक सलामी बल्लेबाजों के अलावा हेनरिक क्लासेन और ईशान किशन जैसे खिलाड़ी भी शामिल हैं. विशाल स्कोर खड़ा करने या बड़े से बड़े लक्ष्य का पीछा करने की उनकी काबिलियत ने उन्हें इस टूर्नामेंट की सबसे खौफनाक बल्लेबाजी टीमों में से एक बना दिया है. हालांकि, टॉप-ऑर्डर के बल्लेबाजों पर उनकी अत्यधिक निर्भरता उन्हें कमजोर भी बना सकती है-खासकर तब, जब शुरुआत में ही विकेट गिर जाएं.